

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया  Union Bank of India

अच्छे लोग, अच्छा बैंक Good people to bank with

साइबर मायाजाल

.apk फाइल के खतरों से सावधान.



आपकी सुरक्षा हमारे साथ



साइबर सुरक्षा उत्कृष्टता केंद्र

रमेश के फोन पर यूनियन बैंक के नाम से .apk की रिवार्ड फ़ाइल प्राप्त की जाती है जिस पर क्लिक करते हुए रक्षक देख लेता है

अरे अरे, यह क्या कर रहे हो तुम ?
इस फ़ाइल पर क्लिक मत करना.



पर क्यों? देखो न रिवार्ड्स का कितना बढ़िया ऑफर आया है-
यूनियन बैंक की ओर से.



अरे महाशय, ध्यान से देखिए यह एक जाल
है- तुम्हारी मेहनत की कमाई और अन्य
निजी जानकारी चुराने का.



क्या? क्या बात कर रहे हो?
पर, यह तो बैंक की तरफ से आया है.



यही तो धोखा है. यूनियन बैंक कभी भी .apk/.ipa
फाइल्स किसी भी रूप में नहीं भेजता है.



एक मिनट, ये .apk फाइल क्या है? और ये बैंक के नाम पर ऐसी जालसाज़ी क्यों? मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा है.



क्या तुमने बैंक के नाम पर चल रही .apk/.ipa की धोखाधड़ी के बारे में नहीं सुना??



नहीं, पर तुम दोनों की बातें सुनकर लग रहा है कि बैंक के नाम कुछ जालसाज़ फर्जीवाड़ा कर रहे हैं.



बिलकुल सही. अब जली न तुम्हारे दिमाग की बत्ती.



ये फर्जीवाड़ा मुख्य रूप से सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसारित हो रहा है.



अच्छा, हाँ... ऐसे ही, मेरे एक जानकार को आयकर विभाग के रूप में रिफंड का संदेश आया था.

उसे भी .apk लिंक पर क्लिक करने को कहा गया था.

ओह.

लेकिन समय रहते उसे याद आ गया कि उसका रिफंड तो बनता ही नहीं है . इसलिए वह धोखेबाजों के जाल में फंसने से बच गया.

सुरक्षा और रक्षक अपने मिल को इस साइबर खतरे की कार्य प्रणाली और बचाव के बिन्दुओं से अवगत करवाते हैं.

यह स्पूफिंग का तरीका है- जो एक प्रकार का साइबर फ्रौड है.

इसीलिए आजकल साइबर सुरक्षा के बारे में अपडेटेड रहना बहुत ज़रूरी है.



सही कहा यार. मुझे इस बारे में अधिक जानकारी नहीं है. अगर तुम्हें पता है तो तुम बताओ, मैं इसके बारे में सब कुछ जानना चाहता हूँ.

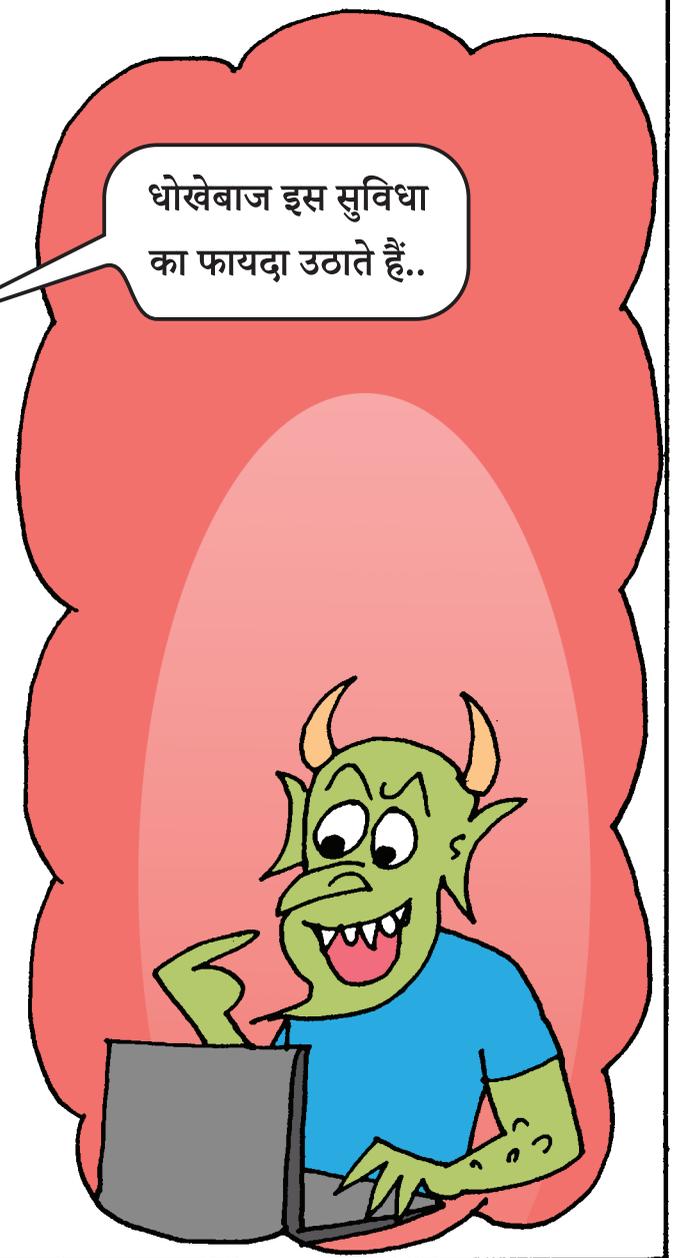


ये .apk धोखाधड़ी कैसे काम करती है? इससे बचने के तरीके क्या हैं? इसका शिकार होने पर कहाँ संपर्क करना चाहिए.... सब कुछ ...



अब किया न तुमने सही सवाल!!

अरे सुनो, मोबाइल कंपनियाँ उपयोक्ताओं को थर्ड पार्टी एप्लीकेशन इंस्टॉल करने की अनुमति देती है.

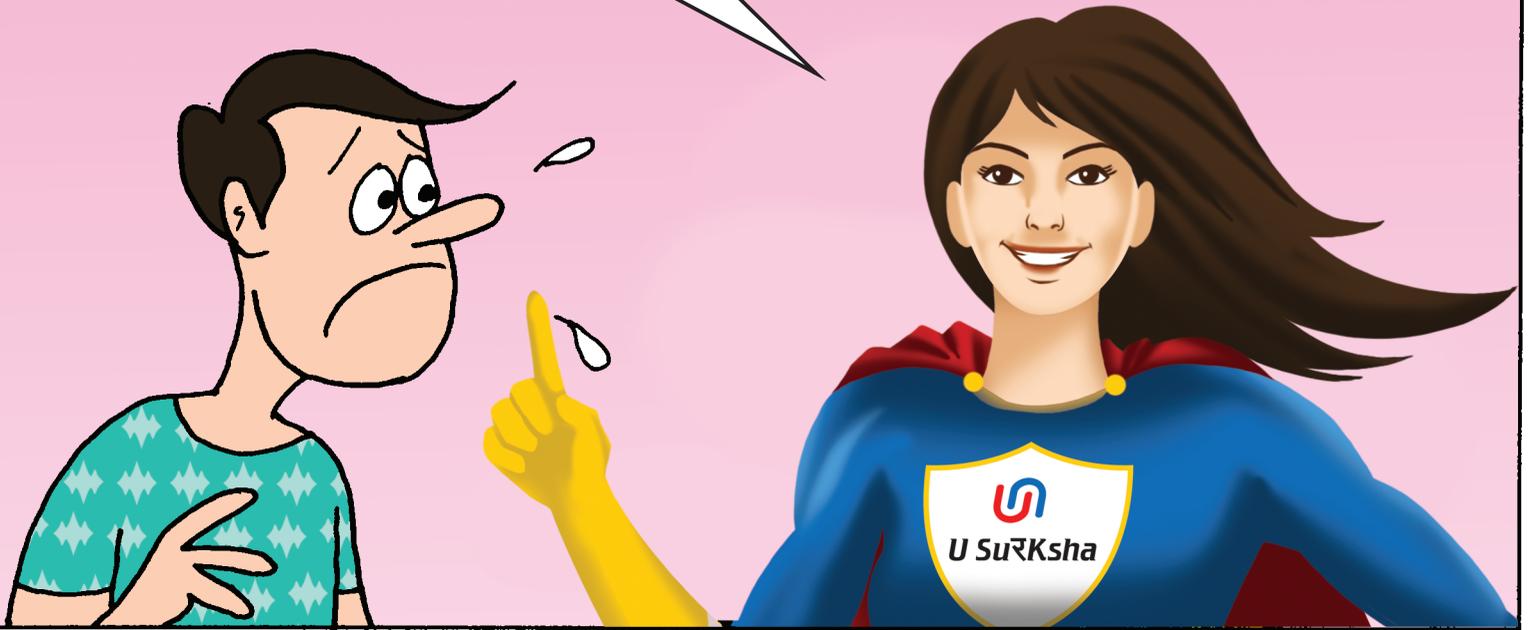


धोखेबाज इस सुविधा का फायदा उठाते हैं..

और मैलिशियस कोड युक्त ऐप बनाकर .apk फ़ाइलस को सोशल मीडिया के प्लैटफ़ॉर्मस् पर प्रसारित कर देते हैं और उपयोगकर्ताओं से .apk फाइलें इंस्टॉल करवा लेते हैं.



तुम्हें पता है.. स्पूफिंग सेंडर की जानकारी को इस तरह से छुपाता है कि यह वैध स्रोत से आया हुआ लगता है ताकि जानकारी चुराई जा सके या मैलवेयर फैलाया जा सके.



यह तो डरावना है. लेकिन ये धोखेबाज पीड़ित के फोन को कैसे नियंत्रित करते हैं?



बताती हूँ...बताती हूँ, एक बार जब नकली ऐप इंस्टाल हो जाता है, तो यह फोन का नियंत्रण हैकर को दे देता है.



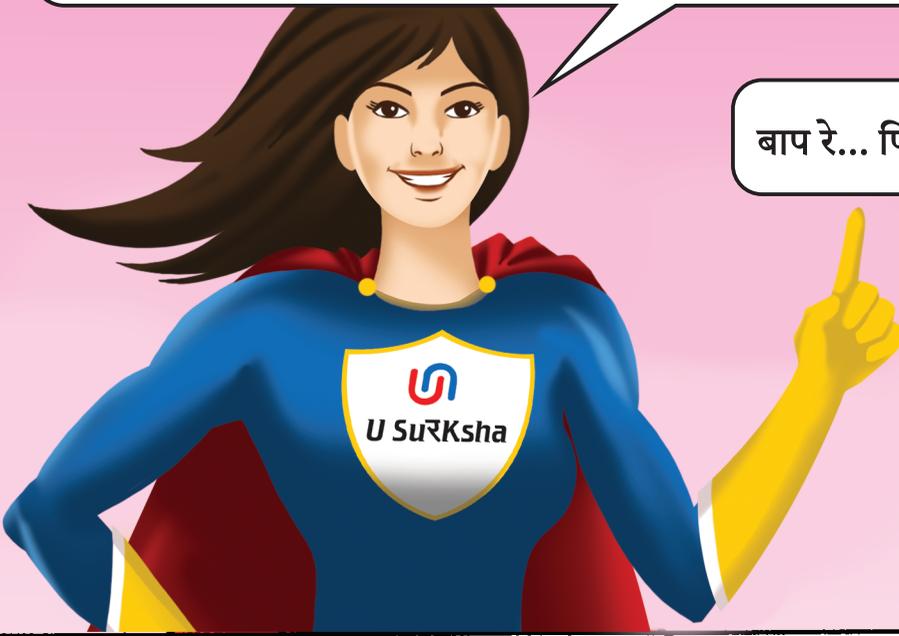
जिससे वे वित्तीय लेन-देन करने और पैसे चुराने के लिए ज़रूरी ओटीपी और पिन हासिल कर लेता है।



यह पूरा प्रकरण केवल नकली ऐप इंस्टॉल करने तक सीमित नहीं रहता है।



वे ईमेल, व्हाट्सएप संदेशों, फोन कॉल, वीडियो कॉल और यहां तक कि डीपफेक तकनीक के माध्यम से भी स्पूफिंग का उपयोग करके लोगों को अपने जाल में फसा लेते हैं।



बाप रे... फिर?



फिर तुम्हारा सारा संवेदनशील डाटा- बैंक डिटेल्स से लेकर निजी जानकारी तक, सभी कुछ चुराया जा सकता है।



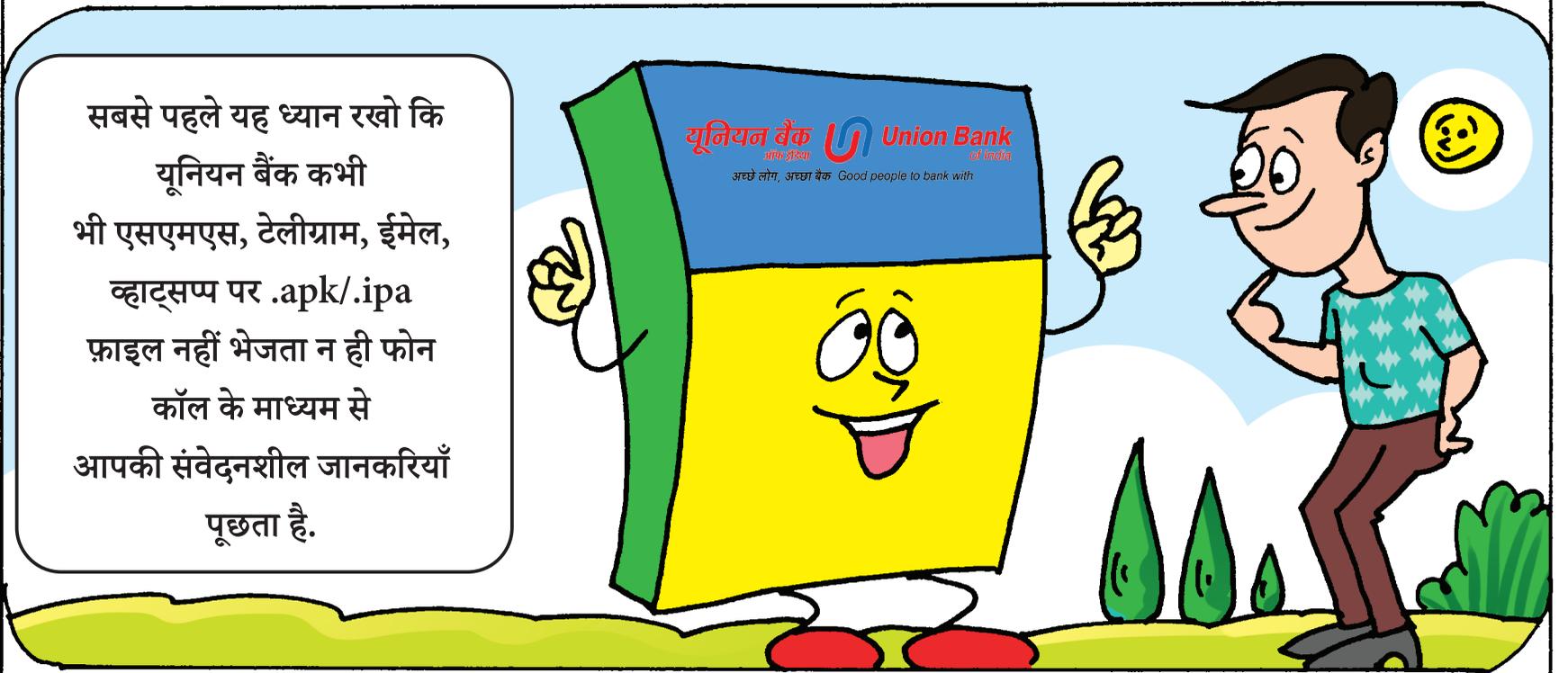
जिसकी वजह से कई बार लोगों को भारी नुकसान भी उठाना पड़ता है।





ओह, इन सब फर्जीवाड़े से कैसे बचा जाए?
कोई सुरक्षा सुझाव?

हां, बिलकुल है. सुनो...



सबसे पहले यह ध्यान रखो कि यूनियन बैंक कभी भी एसएमएस, टेलीग्राम, ईमेल, व्हाट्सप्प पर .apk/.ipa फ़ाइल नहीं भेजता न ही फोन कॉल के माध्यम से आपकी संवेदनशील जानकरियाँ पूछता है.



हमेशा आधिकारिक ऐप स्टोर जैसे Google Play या Apple App Store से ऐप्स डाउनलोड करें.

एप्लिकेशन द्वारा अनुरोधित अनुमतियों की ज़रूर समीक्षा करें. केवल उन्हीं अनुरोधों को ही अनुमति दें जिसकी आवश्यकता है.



कोई भी एप्लिकेशन डाउनलोड करने के पहले उसके रिव्यूज़ और डेवलपर कौन है, इसकी भी जाँच अवश्य करें.

और बैंकिंग ट्रांजेक्शन के लिए सार्वजनिक स्थानों पर उपलब्ध फ्री वाई-फ़ाई नेटवर्क का प्रयोग न करें.



किसी भी अज्ञात संपर्क से आए लिंक पर क्लिक न करें, .apk फाइल को कभी भी डाउनलोड न करें.



मजबूत पासवर्ड का उपयोग करें. यथा संभव मल्टीफैक्टर ऑथेंटिकेशन की सुविधा का ही उपयोग करें.

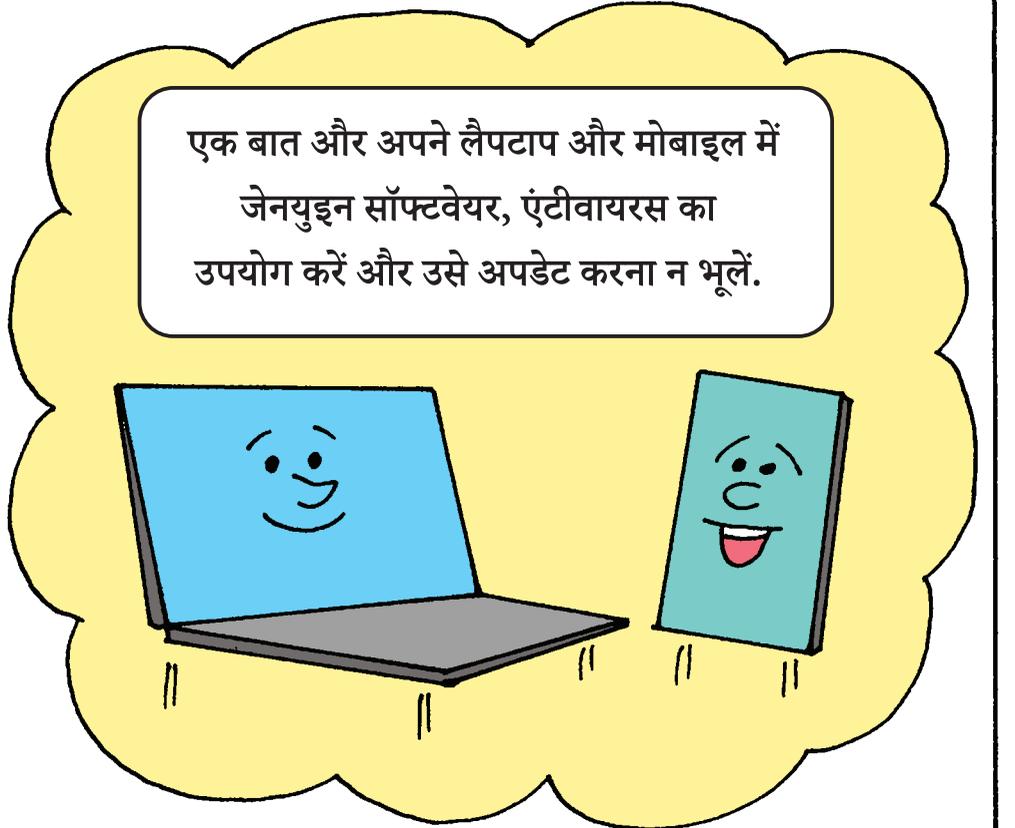


फोन चोरी या खो जाने की स्थिति में अथवा सामान्य परिस्थिति में भी अपने मोबाइल तक अनाधिकृत पहुँच को रोकने हेतु स्क्रीन लॉक की सुविधा को पिन, पैटर्न, बायोमेट्रिक लॉक जैसे माध्यमों से सेटिंग्स में पहले से ही सेट कर लें.

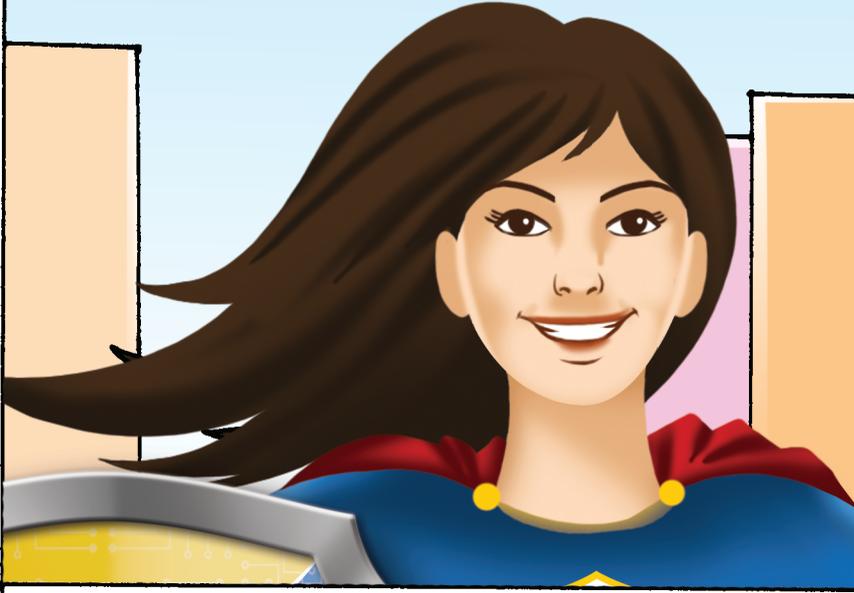


कभी भी मैसेजिंग ऐप के माध्यम से अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें.





इसे तुरंत रिपोर्ट करना चाहिए. बैंक के नाम से एसएमएस, व्हाट्सपप या वीडियो-आडियो कॉल के माध्यम से प्राप्त धोखाधड़ी संचार को चक्षु पोर्टल (<https://sancharsaathi.gov.in/sfc>) पर रिपोर्ट कर सकते हैं.



और वित्तीय नुकसान होने की स्थिति में इस साइबर अपराध को तुरंत 1930 पर कॉल करके सूचित करें और

<https://www.cybercrime.gov.in> पर अपनी शिकायत दर्ज करें या साइबर पुलिस की सहायता लें.

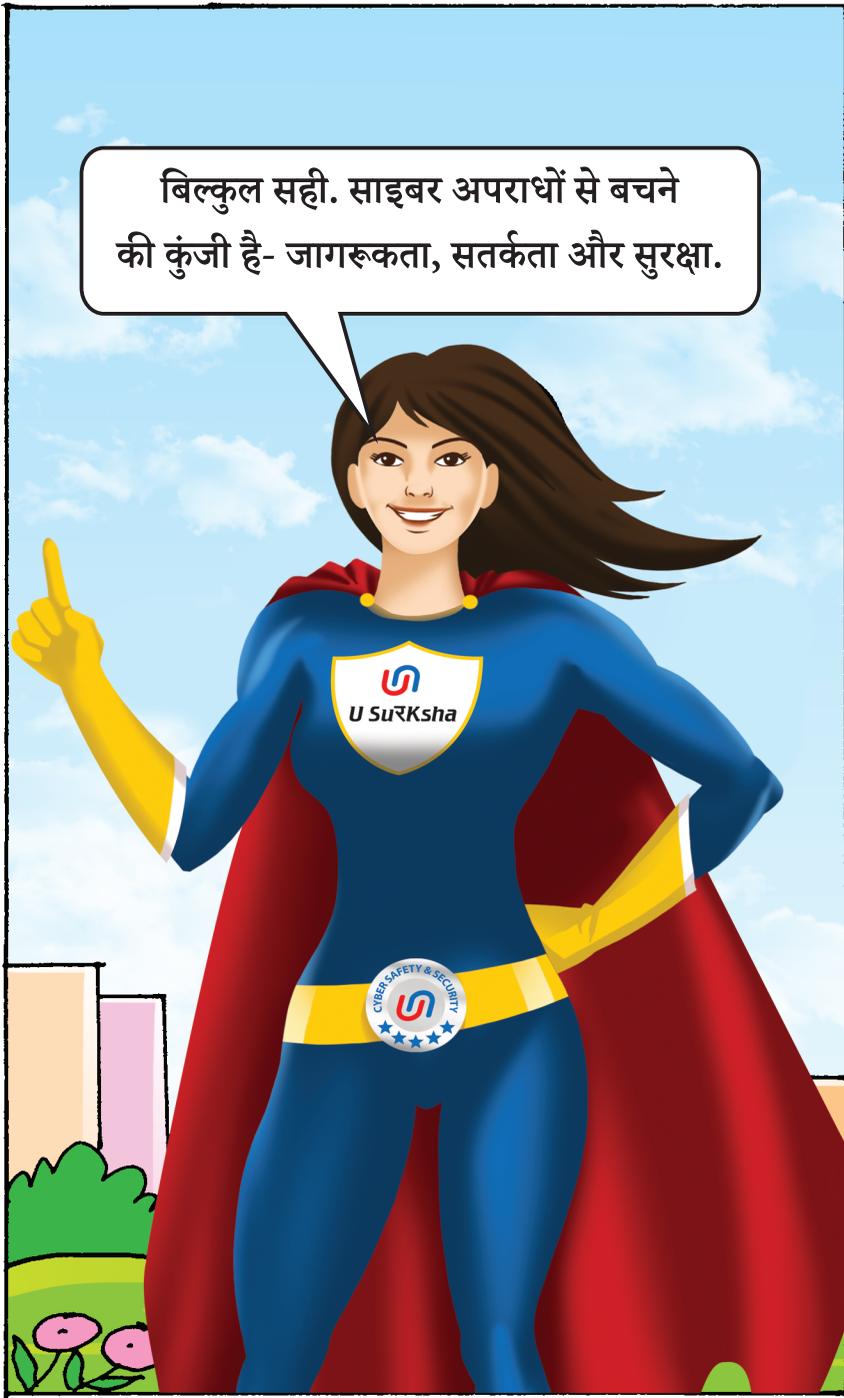


और इस तरह की कई साइबर सुरक्षा जागरूकता टिप्स को जानने के लिए यूनियन बैंक की कॉर्पोरेट साइट (www.unionbankofindia.co.in)-मेनू-कस्टमर कॉर्नर पर जाकर बैंक द्वारा जारी साइबर सुरक्षा जागरूकता मार्गदर्शिका को जरूर देखें.



जानकारी के लिए धन्यवाद. मतलब, सतर्कता ही समाधान है.





बिल्कुल सही. साइबर अपराधों से बचने की कुंजी है- जागरूकता, सतर्कता और सुरक्षा.



अब मैं अच्छे से समझ गया कि थोड़ी सी लापरवाही भी बड़े नुकसान का कारण बन सकती है.



याद रखें कि हमें सतर्क रहना चाहिए और इस जानकारी को अधिक से अधिक लोगों से साझा करना चाहिए ताकि सभी सुरक्षित रहें.

8/24



हाँ, क्योंकि बैंक का है यही संदेश- जागरूक रहें, सतर्क रहें, सुरक्षित रहें.

आलोक भार्गव द्वारा रेखांकित व यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी कार्यालय (सीआईएसओ) हैदराबाद के समन्वयन से राजभाषा कार्यान्वयन प्रभाग, मानव संसाधन विभाग, केंद्रीय कार्यालय, मुंबई द्वारा प्रकाशित.

- चक्षु पोर्टल (<https://sancharsaathi.gov.in/sfc/>): पिछले 30 दिनों के भीतर कॉल/ व्हाट्सप्प/ एसएमएस के माध्यम से प्राप्त किसी भी संदिग्ध धोखाधड़ी संचार को रिपोर्ट करें।
- 1930 पर कॉल: वित्तीय धोखाधड़ी हो जाने की स्थिति में या साइबर अपराध के मामले में 1930 पर कॉल करें अथवा www.cybercrime.gov.in पर अपनी शिकायत दर्ज करें.
- धोखाधड़ी युक्त या विवादास्पद लेनदेन के लिए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की हेल्पलाइन नं. 1800 2222 43 (टोल फ्री) पर संपर्क करें .